अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ में दिनांक 22 जून 2022 को आंतरिक गुणवत्ता प्रत्यायन प्रकोष्ठ और अनुसंधान सलाहकार समिति द्वारा शैक्षणिक अनुशासन और अनुसंधान पद्धति पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना से किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य संरक्षक व निर्देशक डॉ कृष्णकांत गुप्ता जी रहे। प्राचार्य जी के द्वारा सभी का स्वागत करते हुए कार्यशाला के महत्व एवं उद्देश्य को स्पष्ट किया गया। उनके वक्तव्य के माध्यम से यह भी बताया गया कि शैक्षणिक अनुशासन और अनुसंधान पद्धति दोनों ही जीवन में बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। संसाधक वक्ता प्रोफेसर के.सी. दास पूर्व प्रमुख और अध्यक्ष बोर्ड ऑफ रिसर्च पीजी डिपार्टमेंट ऑफ लाइब्रेरी एंड इनफॉरमेशन साइंस, उत्कल यूनिवर्सिटी भुवनेश्वर उड़ीसा रहे। संसाधक वक्ता के रूप में प्रो. श्री सोमशेखर राव, पूर्व प्रोफेसर एवं हेड, पीजी डिपार्टमेंट ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन साइंस आंध्रा यूनिवर्सिटी विशाखापट्टनम आंध्र प्रदेश रहे। प्रो. के.सी. दास द्वारा शोध पद्धति पर एक पर प्रकाश डाला गया। उनके द्वारा अपने वक्तव्य में बताया गया कि नवीन वस्तुओं की खोज और पुरानी वस्तुओं एवं सिद्धांतों का पुनः परीक्षण करना चाहिए जिससे कि नए तथ्यों की प्राप्ति हो सके। प्रोफेसर सोमशेखर राव जी ने कहा कि अनुशासन एक क्रिया है जो शरीर दिमाग आत्मा को नियंत्रित रखते हैं। और यह की अंतरानुशासनिक अध्ययन किसी भी समस्या के समाधान की एक प्रणाली है जो कि आंतरिक मूल्यांकन की ओर अग्रसर करती है। इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ मनोज शुक्ला जी थे। इस कार्यक्रम की आयोजक सचिव व मंच संचालिका डॉ गीता गुप्ता जी व संयोजक डॉ रामचंद्र जी सह संयोजक श्री कमल टंडन डॉ के एल कौशिक, डॉ नरेश कामरा, डॉ संजीव गुप्ता, डॉ रेखा सैन, डॉ सुप्रिया ढांडा, श्री विनीत नागपाल की देखरेख में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। धन्यवाद ज्ञापन श्री रामचंद्र जी ने किया। कल्याण मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।